बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)	**सत्संग प्रवेश - १**	कुल गुण : ७५

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - द्वितीय संस्करण, फरवरी २००७

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''अभी रहट के द्वारा पानी निकाला जाएगा । तब पी लेना ।'' ७१

२. ''यदि आप दो घड़ी रुके तो भिक्षा मिल सकती है ।'' ८३

३. ''आपके प्रताप को कोई नहीं जानता। आपके प्रताप से ही हमारा बडप्पन है ।'' १४

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. नीलकंठ ने खंभे को अपनी बाँहो में भर दिया । ९४

२. भगवानदासजी की पत्नी चिंता करने लगी । ५९

३. तेलंगी ब्राह्मण दु:ख से व्याकुल होकर रोने लगा । ३४

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. पिबैक की पराजय । ३५

२. भूतो का नाश और योगियों का मोक्ष । २०

३. नीलकंठ लोज में । ८५

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. बुटोलनगर के वैरागी बावाओं के मन में ईर्ष्या की आग धधकने लगी । २९

२. वर्णी ने वंशीपुर की रानी को परम सुख किस में समझाया ? १८

३. अष्टांगयोग के आठ अंग के नाम लिखिए । ३१

४. नीलकंठ के स्नेह को देखकर जयराम कहाँ जाने के लिए तैयार हुआ ? ४८

५. अमीचंद नीलकंठ के लिए क्या लाए ? ६८

प्रश्न.५. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(४ गुण)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. रामानंद स्वामी ने धर्मधुरा सौंप दी। १०९

(१) ☐ संवत् १८५७ (२) ☐ परिवर्तिनी एकादशी (३) ☐ कार्तिक शुक्ला (४) ☐ संवत् १८५८

२. वनविचरण के दौरान नीलकंठ वर्णी ने किस किस का उद्धार किया ? ३८, ४४

(१) ☐ जांबुवान (२) ☐ सेवकराम (३) ☐ नौ लाख योगियों का (४) ☐ जीअर स्वामी

प्रश्न.६. निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(५ गुण)**

१. सामने पार से नीलकंठ ने लाखा कोली के सामने ..... हिलाई । ७४

२. नीलकंठ ..... व्रत रखते थे । २

३. नीलकंठ ने ..... के मठ की लाखों रुपये के आयवाले मठ के महंतपद का त्याग किया । १२

४. संयोगी साधु के पुत्र का नाम ..... था । ४३

५. ..... ने नेपाल के राजा का पेट का शूल मिटा दिया । ३३

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा - सत्संग प्रवेश - १; माध्यम - हिन्दी; समय - सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

४०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम संस्करण, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१.''मैं आपको नहीं पहचान सका ।'' ३७

२. ''अलौकिक आश्चर्य बताएँगें, तुम उनकी शरण में जाना ।'' १५

३. ''आज वे संसार में सत्संग के माध्यम से प्रकटरुप में विचरण कर रहे हैं ।'' ५९

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (४ गुण)

१. निर्गुणस्वामी ने शास्त्रीजी महाराज के चरणों में गरम कम्बल अर्पण कर दिया । ५५

२. जीवुबा कड़ी धूप में नंगे पैर चल निकलीं । ४६

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) (५ गुण)

१. महाराज द्वारा जोबनपगी को समझाया गया सच्चा धर्म । ३९

२. तारा लटकां प्यारां..... कीर्तन में महाराज की मूर्ति के दर्शन । १२

३. जेठाभाई की भगतजी महाराज के प्रति भक्ति । ५१

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४ गुण)

१. वचनामृत में महाराज ने शुकमुनि के लिए क्या कहा ? २५

२. कौन से राजा ने लाडुदानजी को सुवर्णालंकारों से विभूषित करने के लिए राज-सुनार को बुलाया ? २

३. जेठा भगत को किसने त्यागी की दीक्षा दी ? कब ? ५१

४. पुरुषोत्तमपुरा गाँव में हुए नुक़सान को देखकर स्वामीश्री ने क्या कहा ? ६२

प्रश्न.११. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (५ गुण)

विषय :- जगन्नाथ में से शुकानंद । २१

१. महाराज के मंत्री को कई कठिनाईयों का सामना करना पडता था । **२.** श्रीजीमहाराज के पत्रव्यवहार की सेवा करने से महाराज के मंत्री बन गए । **३.** जगन्नाथ को साधु करने के लिए सोमला खाचर ने महाराज को बिनती की । **४.** महाराज चिठ्ठियाँ लिखवाते, रद कर दे, ऐसा करते हुए मध्यरात्रि हुई, दिया भी बुझ गया । **५.** सन्तों के पास महाराज की महिमा की बातें सुनकर मुमुक्षुता जाग्रत हुई । **६.** महाराज ने अपने दाहिने चरण के अँगूठे से दीपक का प्रकाश फैलाकर पत्र पूरा लिखवाया । **७.** चलिए, चलिए डभाण से कोई मुक्त आ रहे हैं । **८.** महाराज ने शुकमुनि को सुखडी का पारणा करवाया । **९.** डभाण में विद्याभ्यास करते हुए जगन्नाथ विप्र को संतो का समागम हुआ । **१०.** महाराज की आज्ञा से मुक्तानंद स्वामी ने दीक्षा देकर शुकानंद स्वामी नाम रखा ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (४ गुण)

१. शिक्षापत्री अन्वयार्थ टीकायुक्त ब्रह्मानंद स्वामी ने लिखा । २५

२. खैया की दादी ने कहा, ''ऊपर बैठा हुआ मोटा साधु भी ब्रह्म है ।'' ७

३. देवीदान का जन्म बरोल गाँव में हुआ था । १५

४. वरताल में मन्दिर के लिए जोबनपगी ने अपनी जमीन दी थी । ३९

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। (१० गुण)

१. ज्यादा समर्थ - ज्यादा क्षमावान सन्त - शास्त्रीजी महाराज ।

२. भारत मन्दिरों से उज्जवल है ।

३. सनातन हिन्दु धर्म की धार्मिक चेतना और B.A.P.S.

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋